

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 1080/VII-1/2018/19ख/2018
देहरादून :दिनांक: 29 मई, 2018

आशय पत्र (Letter of Intent)

अधिसूचना संख्या-1582/VII-1/2017/31 ख/17, दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2017 के प्रावधानान्तर्गत जनपद एवं तहसील रुद्रप्रयाग के ग्राम सुमेरपुर के क्षेत्रान्तर्गत कुल 0.1 है० में उपलब्ध उपखनिज (बालू, बजरी एवं बोल्डर) को ई-निविदा सह ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून द्वारा ई-निविदा संख्या सं०-००१_Rudraprayag_Sumerpur_0.1ha/भू०खनि०ई०/ई०निवि०सहई०नीला०/प्रकाशित आमंत्रण प्रपत्र सं०-००१_Rudraprayag_Sumerpur_0.1ha/भू०खनि०ई०/ई०निवि०सहई०नीला०/भू०खनि०ई०/2017-18, दिनांक 07 फरवरी, 2018 एवं संशोधित विज्ञापन सं० 05/ई०निवि०सहई०नीला०/भू०खनि०ई०/2017-18, दिनांक 23 फरवरी, 2018 के क्रम में उक्त नियमावली, 2017 के नियम 27.ग (द्वितीय चरण) के 2017-18, दिनांक 23 फरवरी, 2018 के क्रम में उक्त नियमावली, 2017 के नियम 27.ग (द्वितीय चरण) के उपनियम 5 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रतूडा, तहसील व जनपद रुद्रप्रयाग को उनके द्वारा दर्ज अंतिम उच्चतम बोली रु० 22,54,596.00 (रु० बाईस लाख चौवन हजार पांच सौ छियानबे मात्र) के आधार पर H1 घोषित किया गया है।

2. श्री परमानन्द को उक्त नियमावली के नियम 28.क के उपनियम-1 के प्रावधानानुसार बोली गयी अधिकतम उच्चतम बोली रु० 22,54,596.00 (रु० बाईस लाख चौवन हजार पांच सौ छियानबे मात्र) का दस प्रतिशत धनराशि रु० 2,25,460.00 (रु० दो लाख पच्चीस हजार चार सौ साठ मात्र) विभागीय लेखाशीर्षक में जमा किये जाने, विभागीय वेबसाईट में पंजीकरण के दौरान प्रेषित समस्त अभिलेखों की मूल प्रतियों सहित भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून में जमा करने के उपरान्त सफल बोलीदाता घोषित माना गया है। उक्त नियमावली के नियम 28.क के उपनियम-3 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द द्वारा उच्चतम बोली का दस प्रतिशत धनराशि अर्थात् रु० 2,25,460.00 (रु० दो लाख पच्चीस हजार चार सौ साठ मात्र) निर्धारित विभागीय लेखाशीर्षक में जमा करने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक माने जाने के दृष्टिगत उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2017 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रतूडा, तहसील व जनपद रुद्रप्रयाग के पक्ष में जनपद एवं तहसील रुद्रप्रयाग के ग्राम सुमेरपुर के क्षेत्रान्तर्गत कुल 0.1 है० में उपखनिज के चुगान/खनन हेतु 05 वर्ष की अवधि हेतु चुगान/खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने हेतु 06 माह की अवधि हेतु आशय पत्र (Letter of Intent) निम्नलिखित शर्तों के अधीन स्वीकृत किया जाता है :-

- (1) प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा आशय पत्र में स्वीकृत क्षेत्र का उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2001 के नियम-17 के प्रावधानानुसार सीमाबन्धन कराये जाने, खनन योजना अनुमोदित कराये जाने एवं पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त किये जाने की कार्यवाही 06 (छ:) माह के अन्तर्गत सम्पादित की जायेगी।
- (2) आशय पत्र निर्गत होने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा अधिकतम वार्षिक ई-नीलामी बोली का पच्चीस प्रतिशत धनराशि रु० 5,63,649.00 (रु० पांच लाख तिरेसठ हजार छ: सौ उनचास मात्र) "धरोहर धनराशि (Security Money)" समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कराये जाने हेतु आशय पत्र में निर्धारित समयावधि के लिए बैंक गारन्टी के रूप में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के पक्ष में सात कार्यदिवसों के अन्तर्गत बन्धक करायी जायेगी। धरोहर धनराशि जमा करने बाद प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा जमा की गई प्री-बिड अर्नेस्ट मनी वापस कर दी जायेगी। बैंक गारन्टी की स्कैन कॉपी सात कार्य दिवसों के अन्तर्गत विभागीय वेबसाईट पर लॉग इन कर प्रेषित की जानी आवश्यक होगी तथा मूल प्रति निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के जनपदीय कार्यालय में जमा करायी जानी होगी। यदि निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत समरत औपचारिकतायें पूर्ण नहीं होती हैं या अग्रेतर समयवृद्धि राज्य सरकार द्वारा प्रदान नहीं की जाती है तो जमा बैंक गारन्टी की धनराशि को जब्त कर लिया जायेगा।
- (3) स्वीकृत क्षेत्रान्तर्गत उत्तराखण्ड उपखनिज परिहार नियमावली (यथासंशोधित) 2017 के नियम 29(क)(1) के अनुसार उपखनिज चुगान कार्य अधिकतम 1.5 मीटर की गहराई अथवा भू-जल स्तर, जो भी कम हो, तक किया जायेगा।

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग—1

आशय पत्र (Letter of Intent)

अधिसूचना संख्या-1582 / VII-1 / 2017 / 31 ख/17, दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2017 के प्रावधानान्तर्गत जनपद एवं तहसील रुद्रप्रयाग के ग्राम सुमेरपुर के क्षेत्रान्तर्गत कुल 0.1 है० में उपलब्ध उपखनिज (बातू बजरी एवं बोल्डर) को ई-निविदा सह ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून द्वारा प्रकाशित आमंत्रण प्रपत्र सं०-००१_Rudraprayag_Sumerpur_०.१ha/भू०खनिं०ई०/ई०निवि०सहई०नीला०/ 2017-18, दिनांक 07 फरवरी, 2018 एवं संशोधित विज्ञापन सं० ०५/ई०निवि०सहई०-नीला०/भू०खनिं०ई०/ 2017-18, दिनांक 23 फरवरी, 2018 के क्रम में उक्त नियमावली, 2017 के नियम 27.ग (द्वितीय चरण) के उपनियम 5 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रतूडा, तहसील व जनपद उपनियम 5 के आधार पर H1 घोषित किया गया है।

2. श्री परमानन्द को उक्त नियमावली के नियम 28.क के उपनियम-1 के प्रावधानानुसार बोली गयी अधिकतम उच्चतम बोली रु0 22,54,596.00 (रु0 बाईस लाख चौवन हजार पांच सौ छियानबे मात्र) का दस प्रतिशत धनराशि रु0 2,25,460.00 (रु0 दो लाख पच्चीस हजार चार सौ साठ मात्र) विभागीय लेखाशीर्षक में जमा किये जाने, विभागीय वेबसाईट में पंजीकरण के दौरान प्रेषित समस्त अभिलेखों की मूल प्रतियों सहित भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून में जमा करने के उपरान्त सफल बोलीदाता घोषित माना गया है। उक्त नियमावली के नियम 28.क के उपनियम-3 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द द्वारा उच्चतम बोली का दस प्रतिशत धनराशि अर्थात् रु0 2,25,460.00 (रु0 दो लाख पच्चीस हजार चार सौ साठ मात्र) निर्धारित विभागीय लेखाशीर्षक में जमा करने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक माने जाने के दृष्टिगत उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2017 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रतूडा, तहसील व जनपद चुगान/खनन हेतु 05 वर्ष की अवधि हेतु चुगान/खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने हेतु 06 माह की अवधि हेतु आशय पत्र (Letter of Intent) निम्नलिखित शर्तों के अधीन स्वीकृत किया जाता है:-

(Letter of Intent) निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखाकृत किया जाता है-

- पत्र (Letter of Intent) नियमावली, 2001 के नियम-17 के प्रावधानानुसार सीमाबन्धन कराये जाने, खनन योजना अनुमोदित कराये जाने एवं पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त किये जाने की कार्यवाही 06 (छ.) माह के अन्तर्गत सम्पादित की जायेगी।
- पत्र निर्गत होने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा अधिकतम वार्षिक ई-नीलामी बोली का आशय पत्र पत्रिशत धनराशि रु 5,63,649.00 (रु० पांच लाख तिरेसठ हजार छ: सौ उनचास मात्र) "धरोहर पच्चीस प्रतिशत धनराशि" समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कराये जाने हेतु आशय पत्र में निर्धारित धनराशि (Security Money)" समस्त कार्यदिवसों के अन्तर्गत बन्धक करायी जायेगी। धरोहर धनराशि जमा करने बाद प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा जमा की गई प्री-बिड अर्नेस्ट मनी वापस कर दी जायेगी। बैंक गारन्टी की स्कैन कॉपी सात कार्य दिवसों के अन्तर्गत विभागीय वैबसाईट पर लॉग इन कर प्रेषित की जानी आवश्यक होगी तथा मूल प्रति निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के जनपदीय कार्यालय में जमा करायी जानी होगी। यदि निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत समर्त औपचारिकतायें पूर्ण नहीं होती हैं या अग्रेतर समयवृद्धि राज्य सरकार द्वारा प्रदान नहीं की जाती है तो जमा बैंक गारन्टी की धनराशि को जब्त कर लिया जायेगा। स्वीकृत क्षेत्रान्तर्गत उत्तराखण्ड उपखनिज परिहार नियमावली (यथासंशोधित) 2017 के नियम 29(क)(1) के अनुसार उपखनिज चुगान कार्य अधिकतम 1.5 मीटर की गहराई अथवा भू-जल स्तर, जो भी कम हो, तक किया जायेगा।

करायी जायेगी, जिसका वितरण राजस्व विभाग द्वारा निर्धारित किये जाने उपरान्त राजस्व विभाग के माध्यम से किया जायेगा व निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई को सूचित किया जायेगा।

(13) (क) यदि आशय पत्र में निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा वांछित औपचारिकतायें पूर्ण नहीं की जाती हैं तो प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा आशय पत्र के नवीनीकरण हेतु आशय पत्र में स्वीकृत अवधि की समाप्ति से न्यूनतम पन्द्रह कार्य दिवस से पूर्व ऑन लाईन आवेदन प्रस्तुत किया जाना होगा।

(ख) पचास हैक्टेयर तक के क्षेत्रफल के प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक के आशय पत्र का छ: माह के उपरान्त बिना किसी अतिरिक्त देयक के ऑन लाईन नवीनीकरण आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर आगामी अधिकतम छ: माह हेतु नवीनीकृत किया जा सकेगा, किन्तु आशय पत्र जारी होने के एक वर्ष की अवधि पूर्ण हो जाने के उपरान्त यदि आशय पत्र के अग्रेतर नवीनीकरण आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो ऐसी दशा में उसके द्वारा ई-नीलामी के उच्चतम बोली का 20 प्रतिशत धनराशि पुनः जमा की जानी होगी और पूर्व प्रस्तुत 25 प्रतिशत बैंक गारन्टी को नवीनीकृत कराकर निदेशक, भूतत्व एवं राज्य सरकार के पक्ष में बन्धक के रूप में जमा कराना होगा। उक्त प्रक्रिया में अग्रेतर वर्ष पूर्ण होने पर समान रूप से लागू करते हुए आशय पत्र का नवीनीकरण किया जा सकेगा।

प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा विभिन्न रूप पर अपेक्षित कार्यवाही निर्धारित समयान्तर्गत पूर्ण न किये जाने की दशा में यह माना जायेगा कि प्रोस्पेक्टिव पट्टा लेने की मंशा नहीं रखते हैं व इस स्थिति में आशय पत्र निरस्त करते हुए पूर्व में जमा की गयी अग्रिम धनराशि तथा बैंक गारन्टी आशय पत्र में उल्लिखित समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा समस्त अभिलेख निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के पोर्टल पर ऑन लाईन जमा कराया जायेगा। निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उक्त अभिलेखों का ऑन लाईन परीक्षण करने के उपरान्त, यदि किसी प्रकार की कमी या आपत्ति पायी जाती है, तो निदेशक द्वारा पट्टाधारक को उक्त का निश्चित समयान्तर्गत निराकरण किये जाने हेतु ऑन लाईन अवगत कराया जायेगा। प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा कमियों एवं आपत्तियों का निराकरण ऑन लाईन किये जाने के उपरान्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई की ऑन लाईन संस्तुति पर राज्य सरकार द्वारा खनन पट्टे के आशय पत्र में स्वीकृत कुल अवधि में से अवशेष अवधि हेतु खनन पट्टा स्वीकृति सम्बन्धी आदेश ऑन लाईन निर्गत किया जा सकेगा।

(15) खनन पट्टा स्वीकृति सम्बन्धी आदेश जारी होने के उपरान्त Performance guarantee अर्थात् स्वीकृत खनन क्षेत्र हेतु अधिकतम वार्षिक ई-नीलामी बोली की धनराशि का पच्चीस प्रतिशत निर्धारित विभागीय पेमेन्ट गेटवे के द्वारा सात कार्यदिवसों के अन्तर्गत जमा किया जायेगा। वार्षिक नीलामी धनराशि का पच्चीस प्रतिशत धनराशि अग्रिम रूप में जमा की जायेगी, जिसका समायोजन पट्टे के अन्तिम वर्ष में उपखनिज निकासी मात्रा के सापेक्ष किया जायेगा। Performance guarantee जमा किये जाने के बाद आशय पत्र निर्गत किये जाने के समय जमा कराई गई धरोहर राशि (बैंक गारन्टी) अवमुक्त कर दी जायेगी।

(16) निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा सात कार्य दिवसों के अन्तर्गत पट्टा विलेख तैयार कर ऑन लाईन प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक को प्रेषित किया जा सकेगा, जिसकी सूचना जनपद एवं शासन के नामित नोडल अधिकारी को भी ऑन लाईन होगी। प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा पट्टा विलेख प्रारूप को डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रतियां जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग को हस्ताक्षर किये जाने हेतु सम्बन्धित जनपद के विभागीय अधिकारी को उपलब्ध करायी जायेगी। विभागीय अधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा जनपद के जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग द्वारा आवश्यक रूप से सात कार्यदिवसों के अन्तर्गत प्रस्तुत की जा सकेगी। जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग द्वारा आवश्यक रूप से सात कार्यदिवसों के अन्तर्गत पट्टा विलेख हस्ताक्षरित कर पट्टाधारक को उपलब्ध करायी जा सकेगी।

(17) पट्टे की अवधि की सगणना आशय पत्र निर्गत होने की तिथि से की जायेगी।

(18) आशय पत्र पर स्वीकृत खनिज लॉट का सीमाकंन, खसरा विवरण एवं पीलरबन्दी की कार्यवाही-सीमाकंन शुल्क नियम-17 के अनुसार, सीमास्तम्भ (साईज-05 फिट जमीन के ऊपर तथा

03 फिट जमीन के भीतर, जो 2×2 फिट की चौड़ाई जी०पी०एस० रिडिंग सहित) प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा स्वयं के व्यय से निर्मित किये जायेंगे।

(19) पट्टा विलेख के निष्पादन व पंजीकरण के दिनांक से खनन संक्रियायें प्रारम्भ करेगा और तत्पश्चात जान बूझकर कोई रथगन किये बिना ऐसी खनन संक्रियाओं का संचालन उन्नित और दक्षतापूर्ण रीति से कुशल कारीगर की भाँति करेगा।

(20) प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा विभिन्न स्तर पर अपेक्षित कार्यवाही निर्धारित समयान्तर्गत पूर्ण न किये जाने की दशा में यह माना जायेगा कि प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक पट्टा लेने की मंशा नहीं रखता है तथा इस स्थिति में आशय पत्र निरस्त करते हुए पूर्व के समस्त जमा अग्रिम धनराशि एवं बैंक गारन्टी आदि जब्त कर राज्य सरकार के पक्ष में समाहित कर दिया जायेगा। ऐसे क्षेत्रों के सम्बन्ध में जिस स्तर पर कार्यवाही रुकी हो, उससे अग्रेतर कार्यवाही के संबंध में अथवा पुनः विज्ञापित किये जाने के सम्बन्ध में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

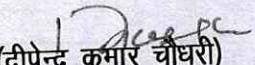
आनन्द बर्द्धन
प्रमुख सचिव

संख्या: १०८० (१) / VII-1 / 2018 तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

1. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून को उनके पत्र सं०-219/८०-निवि०सहई-नीला०/भू०खनि०ई०/रुद्रप्रया०/2018-19, दिनांक 26 अप्रैल, 2018 के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
3. श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रत्नडा, तहसील व जनपद रुद्रप्रयाग।
4. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(दीपेन्द्र कुमार चौधरी)
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 1085/VII-1/2018/19ख/2018
देहरादून :दिनांक: 29 मई, 2018

आशय पत्र (Letter of Intent)

अधिसूचना संख्या-1582/VII-1/2017/31 ख/17, दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2017 के प्रावधानान्तर्गत जनपद एवं तहसील रुद्रप्रयाग के ग्राम सुमेरपुर के क्षेत्रान्तर्गत कुल 0.1 है० में उपलब्ध उपखनिज (बालू बजरी एवं बोल्डर) को ई-निविदा सह ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून द्वारा ई-नीलामी के आमंत्रण प्रपत्र सं०-००१_Rudraprayag_Sumerpur_0.1ha/भू०खनि०ई०/ई०निवि०सह०ई०नीला०/प्रकाशित आमंत्रण प्रपत्र सं०-००१_Rudraprayag_Sumerpur_0.1ha/भू०खनि०ई०/ई०निवि०सह०ई०नीला०/भू०खनि०ई०/२०१७-१८, दिनांक 07 फरवरी, 2018 एवं संशोधित विज्ञापन सं० ०५/ई०निवि०सह०ई०नीला०/भू०खनि०ई०/२०१७-१८, दिनांक 23 फरवरी, 2018 के क्रम में उक्त नियमावली, 2017 के नियम 27.ग (द्वितीय चरण) के २०१७-१८, दिनांक 23 फरवरी, 2018 के क्रम में उक्त नियमावली, 2017 के नियम 27.ग (द्वितीय चरण) के उपनियम 5 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रतूडा, तहसील व जनपद रुद्रप्रयाग को उनके द्वारा दर्ज अंतिम उच्चतम बोली रु० 22,54,596.00 (रु० बाईस लाख चौवन हजार पांच सौ छियानबे मात्र) के आधार पर H1 घोषित किया गया है।

2. श्री परमानन्द को उक्त नियमावली के नियम 28.क के उपनियम-1 के प्रावधानानुसार बोली गयी अधिकतम उच्चतम बोली रु० 22,54,596.00 (रु० बाईस लाख चौवन हजार पांच सौ छियानबे मात्र) का दस प्रतिशत धनराशि रु० 2,25,460.00 (रु० दो लाख पच्चीस हजार चार सौ साठ मात्र) विभागीय लेखाशीर्षक में जमा किये जाने, विभागीय वेबसाईट में पंजीकरण के दौरान प्रेषित समस्त अभिलेखों की मूल प्रतियों सहित भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून में जमा करने के उपरान्त सफल बोलीदाता घोषित माना गया है। उक्त नियमावली के नियम 28.क के उपनियम-3 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द द्वारा उच्चतम बोली का दस प्रतिशत धनराशि अर्थात् रु० 2,25,460.00 (रु० दो लाख पच्चीस हजार चार सौ साठ मात्र) निर्धारित विभागीय लेखाशीर्षक में जमा करने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक माने जाने के दृष्टिगत उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2017 के प्रावधानानुसार श्री परमानन्द पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, निवासी ग्राम रतूडा, तहसील व जनपद रुद्रप्रयाग के पक्ष में जनपद एवं तहसील रुद्रप्रयाग के ग्राम सुमेरपुर के क्षेत्रान्तर्गत कुल 0.1 है० में उपखनिज के चुगान/खनन हेतु ०५ वर्ष की अवधि हेतु चुगान/खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने हेतु ०६ माह की अवधि हेतु आशय पत्र (Letter of Intent) निम्नलिखित शर्तों के अधीन स्वीकृत किया जाता है :-

- (1) प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा आशय पत्र में स्वीकृत क्षेत्र का उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2001 के नियम-17 के प्रावधानानुसार सीमाबन्धन कराये जाने, खनन योजना अनुमोदित कराये जाने एवं पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त किये जाने की कार्यवाही ०६ (छ:) माह के अन्तर्गत सम्पादित की जायेगी।
- (2) आशय पत्र निर्गत होने के उपरान्त प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा अधिकतम वार्षिक ई-नीलामी बोली का पच्चीस प्रतिशत धनराशि रु० 5,63,649.00 (रु० पांच लाख तिरेसठ हजार छ: सौ उनचास मात्र) "धरोहर धनराशि (Security Money)" समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कराये जाने हेतु आशय पत्र में निर्धारित समयावधि के लिए बैंक गारन्टी के रूप में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के पक्ष में सात कार्यदिवसों के अन्तर्गत बन्धक करायी जायेगी। धरोहर धनराशि जमा करने बाद प्रोस्पेक्टिव पट्टाधारक द्वारा जमा की गई प्री-बिड अर्नेस्ट मनी वापस कर दी जायेगी। बैंक गारन्टी की स्कैन कॉपी सात कार्य दिवसों के अन्तर्गत विभागीय वेबसाईट पर लॉग इन कर प्रेषित की जानी आवश्यक होगी तथा मूल प्रति निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के जनपदीय कार्यालय में जमा करायी जानी होगी। यदि निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत समस्त औपचारिकतायें पूर्ण नहीं होती हैं या अग्रेतर समयवृद्धि राज्य सरकार द्वारा प्रदान नहीं की जाती है तो जमा बैंक गारन्टी की धनराशि को जब्त कर लिया जायेगा।
- (3) स्वीकृत क्षेत्रान्तर्गत उत्तराखण्ड उपखनिज परिहार नियमावली (यथासंशोधित) 2017 के नियम 29(क)(१) के अनुसार उपखनिज चुगान कार्य अधिकतम १.५ मीटर की गहराई अथवा भू-जल स्तर, जो भी कम हो, तक किया जायेगा।